

श्रीशिवोक्तिः
॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वं भूतं तस्मै नमः ॥ २ ॥
सर्वं भूतं तस्मै नमः ॥ ३ ॥
सर्वं भूतं तस्मै नमः ॥ ४ ॥
सर्वं भूतं तस्मै नमः ॥ ५ ॥
सर्वं भूतं तस्मै नमः ॥ ६ ॥
सर्वं भूतं तस्मै नमः ॥ ७ ॥
सर्वं भूतं तस्मै नमः ॥ ८ ॥
सर्वं भूतं तस्मै नमः ॥ ९ ॥
सर्वं भूतं तस्मै नमः ॥ १० ॥

सर्वित्वयुः प्रयः॥ मनुदिन प्रियादिने ग कि दिन गये व
च। न दमु सर्वसैयुः नमः कि पितृदेवता॥ का श्रव विधि
शुचि न विचो यो वि॥ मने का लयाय॥ जि सुखान च्याया॥
वि। श्रव देव वे गान ल द व वि य ॥ श्र मि य र्थे न म॥ य ल स
चाय॥ शि द हि शि द ह्य न वि य॥ स र्थ सा वि धाय॥ उ य म य
श्र द य मा द्ध॥ वृ न नि र्ण य सा द न॥ म र्क ३४ श्र प दे व वि
श्र गं वा च्छ य॥ २

सा वि ल ग ह्य प्र व दि॥ क न ने॥ पि न या म म या दे व व
न ४ स र्वा र्थ सा प क ॥ श्र म य र्थ सा क र्ण त्व सा का र्थ य न म
श्र व॥ वृ ग क र्म सा वि ल म र्थ र्थ न म॥ स न ह्य क
वि। श्रव देव वे गान ल द व स र्थ मि य न म मु॥ म र्क न ने॥ क
पि ला मि र्थ म म म न ना मि ग म ना॥ ०० द द व गा ह्य वि
दा ल ग म स सा ल ल ल न वा सा र व म॥ वि सु वि र ह्नी न
दि

कृत साफल नाचन ॥ का श्रवण ॥ पि गयि नाम दय पि ना
मना ॥ स्वर्ग सावि सुला कर्तुं यका रवे नु ॥ या स द्युय ॥ पि
उ सु सु य या मि ॥ नद्र मान ॥ वा क्र न न ॥ पि उ सु सु य य
स ॥ पि उ डाय ॥ स फ वा य द स न न्या ॥ म ग ॥ का तै ड मे
मि नो ॥ च क वा क ॥ ग न द्वा प र्द सा ॥ स न मि मा न स ॥ भ वि
जा ग ॥ उ क नु नु गे वा क्र स ॥ व द या स म ॥ उ व रि ना व द न

म प्प न यूर्य ग ल ॥ उ पि मि द न ॥ ग या यी पि न नू प न स य म
व ड ना द न ॥ ग द न्वा प उ रि का क मू च न ग न ग ग य ॥
स मि प न य मा न न पि सु द द्या ड या मि न ॥ उ द न म फ म
गो र्म क ल म का न ल स न ॥ रु लु मि ॥ न न न ल्ना लो व्वा
लो दे व म दा व री ॥ आ लो न न ग न यि व मि द ग य वी न्द म
प ना न ॥ ३ काल चा य ॥ न य रि द न न ॥ प न रि लो मि न ल
जा कि

मानसि यवके। यव। अस्या कृतं ज्ञानात्पुत्रं च यववा
ववा ४ तमीह मादकं दद्यादज्ञायं मुमनिसु गो। आगवानय
० वा याथासुदयका। आयुषज्ञा वनं विद्याः स्वर्गमा कस्य वा नि
व। ययचुं नि तथा लायी नृणा ये वयि ना सदा। अयु वि दि
य। अ वृद्धि वृद्धि यज्ञा ह्यनसिय। वसं सत्ता न वृद्धि म्य सत्त
न सफ वि दय। हा कयूय माहा या मउत्त न यि। सुय या न।
न

ॐ हृदय मायात। गृह लक्ष्मी या न। अरु मं न। वा
क्रनया के। तभा। ॐ वि सुद मन्त एव वि धनं समा क। मृत्
हृदय ०.१ का गि क उ कु म नि म्ब वाल (भा कृद्वा य व न का
हृत्ता। या व क नि क्र या म ल क्र हा ह या का य या न वा य
व वि य हृत्ता। मि सु द क्रिया ग। कृष्ण नाम न वा या व वि या
३ अ ग न नं द म हृद् हृद् न मा न्य या द व द व। ला शा व

वचसं ॥

॥१७॥ १७७

इति सुद्रशाधुविधिलिख्यते ॥ ॥ जवादि

मन्वन्त २०० सालमिति त्रैविंशतिवर्षे ज. सद्यदसया लायकलस अन्विषर्तं गहलना तस ७२ पालनयला कपूर्वना
बहु निनिवाहिसकला वस्थानिमित्तन नासले बुक यापयि मयदि पीनतला लावे

स्वास्ति श्रीसर्वोपमाजा गपइत्यादि सुलका जगुसा गारिष्टाज भारासा

मन्वन्त २०४ पोषकक्षर टरो ज १ स्वनिम वल सियावध्वमभा जुया

कायमिदमति मोयाल यात व्याहायाय यात दे धुं कुहु डसल

कावायधुं कालिमतिकुहु देस इनायडंते धुं कालि मेवासिके देस

वलभया ह्याव मृत्यु जयावर्कन्याशन कालवनेत मृत्युम वितायकादाह

कर्म वेवुन यात काय येनि छेपित होत

स्वास्ति श्रीमराशाथनमः ॥ नमः गुडाधराय ॥ सुद्रस्य आड

लिप्रसव विस्ति सरजामकायापिने वनाजवादेक यात धं काडि सुंदर गोपाल

स्वास्ति श्रीनेयालमन्वन्त २०६ सालमिति माद्रयुदि १ मेराज १ मध्वकुहु सुंथ मूमी कम्य

जुल रात्रि सर्वद्रग्रस जुल थतेन अदे स या कुमारि माज मसाल थनेयाजा

चा मन्याय कुथेतया सादि ~~स्वास्ति श्रीमराशाथनमः~~ दपी ह्या ना दिने मद्र सुथे

~~कन्याशन विमना लयाविधुं या गु~~

निरिनेमडु कारिमाविका

मिकमोका वं कायादि कार

वदमादि यो ना केरमयप

वनानिभाविधुं

पितामह	वका	पितृश्रेय
प्रपितामह	अडाह	निनियाकाय
मा गृ	माम	
पितामही	अडिमा	
प्रपितामही	तापाअडिमा	
मातामह	मामयावका	
प्रमातामह	मामयाअडाह	
वृद्धप्रमातामह	मामयातापाअडाह	
मातामहि	मामयामा	
प्रमातामहि	मामयाअडिमा	
वृद्धप्रमातामहि	मामयातापाअडिमा	

अनयपुत्रे निनयाकाय

अपिठ	धवदा
कनपिठ	कका
पिठषस	निनि
पिठयाजि	धववायाकला
अपुआता	दाह
कनपुआता	किजा
अपुहमि	तापा
कनपुहमि	कका
पुग	काय
पुगी	आय

पितामहयागाअडाहयादाहकिजा

यागाकाय

पोग	कपुजा
पोगी	आयकय
यागिराया	किजायाकला
वजापति	दाहयाकला
सूखा	रलिवा
राया	कला
यागपुग	दाहकिजायाक
यागपुगी	दाहकिजायाआय
स्थाल	ससदाहकिजा
स्थाली	ससगताकह

दाहलाङ्गलायुधादीनाम
 स्माकानिष्टययन्कुम ॥ ॥
 सूर्यविम्बु दानवाक ॥ कन
 कनचित्तसूर्य विम्बु विम्ब
 मिमानागिम धूपनियु
 रुं गाम वाग्रा कनस्फुजि
 नृवाकुसुम सुहस्रनाड्ये
 देवदेविताद नमिदनिग
 सर्व सुखा विम्बु ददाति
 ॥ ॥ **सिद्धि विम्बु दानवाक**
 ॥ ननतयाटि नच न्द विम्बु वि
 न्दानुमानेष्टि मधुपनी प्ररु
 कीर्वाधाशोकनरुः किगक
 सुमसुहस्रनाड्युथ देवद
 ताहनतिदु मिग मिन्नुश्च
 न्द विम्बु ददाति ॥ ॥ **ज्युथ**
 तिले कश्च नदिना नादानवा
 र्क ॥ ॥ **गिले काश्च नया**
 विवि ॥ **हं नु म ॥ यजमा**

भूयनिधनगत्रायनायथति
 गिवाक ॥ **हं भालन्ध कालति**
 ॥ **सिद्धि ननु ॥ ॥ वाङ्क होन**
 सूर्यो धवृया ॥ ॥ **हं नीधत**
 गानासुतेय ॥ **दमासनीन**
 मग ॥ **प्रथ्यतम ॥ ॥ न**
 ॥ **जननं दूकुरी कान्देलन**
 दगामतेयुं न विद्यु द्वा
 मयनी कार्ग कुमो नु र्दु
 पूजयग ॥ **आनपुष्य २ ॥ व**
 द ॥ **विक्राननाट मसि ॥ हं**
 द विष् ॥ **हं सूर्य ॥ हं**
 ॥ **स्फुर ॥ ॥ दय च वसाधि**
 यमिंदवमनको नामवि
 रुं ग ॥ **वातात्र तसुग नि**
 यमननाय नमस्ते ॥ ॥
 ज्युग ॥ **क्षदि ॥ ॥ यन**
 दानवाक ॥ ॥ **गात्रानिध**
 तमन्यथमिति ॥ ० ॥

देव क्रोशने इत्यर्थः ॥ १॥ अथ च का
 यमहावीर्यं चोदि यो यम
 दं कं ॥ २॥ दि को द न स जा नं न
 कं मं पुन मा म्यहं ॥ ३॥ प ला न भु
 मुसं का सं न ना गृह वि म दं कं मि
 दुं नो जा ल स कं धा र्थं ल्यं कं उ पुः
 वी मा म्यहं ॥ ४॥ शु नो को नृ ह स
 का र्थः सु र्व द व न म म्म ह नं ॥ ५॥
 य डो न्म का र य म्म डो न्म द वं न मा
 म्यहं ॥ ६॥ या र्थं नो क मि दं लो ह
 या न रू का य य ४ य ८ ॥ ७॥ दि वा
 वा य दि वा नो सि धि न स्य न स
 मा य ४ ॥ ८॥ नि स्थ र्थ म उ ले वै व
 नो र्थं य कि वि व र्ध नं न त न ना नी
 ल वा नां य वि यं ३ ४ ल य न ना न र्म
 ॥ ९॥ द स्थ को नि य मा वा यि य
 वा च न ग यो डि ना न स र्व य ल
 मा या नि वा सा कु या ल स ग य
 ॥ १०॥ ॐ नि न वे गृ ह मु नि ॥ ११॥
 शु न्म दि ॥ १२॥ म उ ले स यो ह
 स्त्रा न न रू य के ॥ १३॥ गृ ह स द कि
 धा न य के ॥ १४॥ अ कृ षु ॥ म
 ला नी व दि ॥ न्या स ॥ १५॥ उ द व न म
 स्व य मि स्व य स्थ ति तृ त्ती द वं
 दे व ग्रा स र्थ म ग ७ क्रा नि तृ त्
 र्थ ॥ वि स र्ज नं ॥ ना सि य ॥ १६॥ इ स्वा

वि स्वा म्म य ॥ १७॥ ध न न न न य स्व
 के ॥ १८॥ आ दि य मा मा वा सा ॥ १९॥ के
 न न के ॥ २०॥ आ दि य य ७ ॥ २१॥
 ना य अ नि य य वि दि व ना य
 म्म र्थ ०० द मा स न र ॥ २२॥ ग क
 व न न र ॥ २३॥ य क्ष य वि न
 न क मा ना य र्थ २ ॥ २४॥ का ण ख
 न खि या न क ण न स्वा द वा व वी
 हि सु दं आ र्थि ॥ २५॥ य ड मा न स्य
 कं नु ख के ग के द स क ल्य ४ ॥ २६॥
 क थि ले स र्व द वा ना य ड नो र्थ
 मि नो दि नी ॥ २७॥ ती र्थ दि व म यो य
 स्मा क स्मा कानि व य च म ॥ २८॥
 अ व सु हि न क यि ले व नृ दान
 दान र्थ ॥ २९॥ वा क्क ग यो ला ह न स
 र्थ ॥ ३०॥ वा क्क ग र्थं वा य ॥ ३१॥ दं
 स्व ॥ ३२॥ य ड मा न स्य का स र ल
 न खि या न को द र्थ ॥ ३३॥ अ द्य वा
 ला ह ॥ ३४॥ अ द्या दि ॥ ३५॥ अ द्य स
 र्व दि त्रि गो य म्म र्थ ० ॥ ३६॥ अ न्य
 क्क मा न र्थ ० ॥ ३७॥ अ दि य ड नि न
 यी ड म्म र्थ ० ॥ ३८॥ य र्थ ० ॥ ३९॥ द वा क्क
 यि न ७ ॥ ४०॥ क स र्थ ० ॥ ४१॥ वा क्क
 म य व ल स हि न क यि ले व
 नृ उ र्थं स य दं ॥ ४२॥ वा क्क ग र्थ

